ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 42 **अंक 4** **अक्तूबर 2018**

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. समझना और सीखना
समानता व अंतर — लक्ष्मी नारायण मित्तल — 5
2. समग्र शिक्षा
विद्यालयी शिक्षा में एक एकीकृत योजना — सरला वर्मा — 9
3. कक्षा में पढ़ने की आदत — रजनी — 17
4. प्रभावी शिक्षण के लिए संप्रेषण कौशल — उषा शुक्ला — 21
5. बच्चों की शिक्षा में शिक्षक-अभिभावक संबंध की भूमिका
एक विश्लेषण — अखिलेश यादव — 30
6. बाल संसद के रास्ते — प्रमोद दीक्षित 'मलय' — 36
7. कक्षा शिक्षण में वार्तालाप गतिविधि, *रोल प्ले* और तत्काल प्रस्तुति — शारदा कुमारी — 42
8. प्राथमिक शिक्षा व शिक्षकों से जुड़ी विपरीत परिस्थितियाँ एवं उनका सामना — अलका त्रिपाठी, अंजली बाजपेयी — 48
9. बच्चे का विकासात्मक संदर्भ और विद्यालय — ऋषभ कुमार मिश्र — 53
10. पूर्व प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा का शिक्षण — पद्मा यादव — 59

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

विशेष

11. उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित सीखने के प्रतिफल (कक्षा 6 से 8) 64

बालमन कुछ कहता है

12. खेलों का महत्त्व निशिता मोहिल 76

13. मुस्कान दिपाष्वी 77

कविता

14. तरक्की हर्षवर्धन कुमार 78